राम चालीसा

श्री रघुवीर भक्त हितकारी,
सुनि लीजै प्रभु अरज हमारी।

निशि दिन ध्यान धरै जो कोई,
ता सम भक्त और नहिं होई।

ध्यान धरे शिवजी मन माहीं,
ब्रह्मा इन्द्र पार नहिं पाहीं।

जय जय जय रघुनाथ कृपाला,
सदा करो सन्तन प्रतिपाला।

दूत तुम्हार वीर हनुमाना,
जासु प्रभाव तिहूँ पुर जाना।

तव भुज दण्ड प्रचण्ड कृपाला,
रावण मारि सुरन प्रतिपाला।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तुम अनाथ के नाथ गोसाईं,
दीनन के हो सदा सहाई।

ब्रह्मादिक तव पार न पावैं,
सदा ईश तुम्हरे यश गावै ।

चारिउ वेद भरत हैं साखी,
तुम भक्तन की लज्जा राखी।

गुण गावत शारद मन माहीं,
सुरपति ताको पार न पाहीं।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

नाम तुम्हार लेत जो कोई,
ता सम धन्य और नहिं होई।

राम नाम है अपरम्पारा,
चारिउ वेदन जाहि पुकारा।

गणपति नाम तुम्हारो लीन्हौ,
तिनको प्रथम पूज्य तुम कीन्हौ।

शेष रटत नित नाम तुम्हारा,
महि को भार शीश पर धारा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

फूल समान रहत सो भारा,
पाव न कोउ तुम्हारो पारा।

भरत नाम तुम्हरो उर धारो,
तासों कबहु न रण में हारो।

नाम शत्रुहन हृदय प्रकाशा,
सुमिरत होत शत्रु कर नाशा।

लषन तुम्हारे आज्ञाकारी,
सदा करत सन्तन रखवारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ताते रण जीते नहिं कोई,
युद्ध जुरे यमहूं किन होई।

महालक्ष्मी धर अवतारा,
सब विधि करत पाप को छारा।

सीता नाम पुनीता गायो,
भुवनेश्वरी प्रभाव दिखायो।

घट सों प्रकट भई सो आई,
जाको देखत चन्द्र लजाई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सो तुमरे नित पाँव पलोटत,
नवों निद्धि चरणन में लोटत।

सिद्धि अठारह मंगलकारी,
सो तुम पर जावै बलिहारी।

औरहु जो अनेक प्रभुताई,
सो सीतापति तुमहिं बनाई।

इच्छा ते कोटिन संसारा,
रचत न लागत पल की वारा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो तुम्हरे चरणन चित लावै,
ताकी मुक्ति अवसि हो जावै।

जय जय जय प्रभु ज्योति स्वरूपा,
निर्गुण ब्रह्म अखण्ड अनूपा।

सत्य सत्य व्रत स्वामी,
सत्य सनातन अन्तर्यामी।

सत्य भजन तुम्हारो जो गावै,
सो निश्चय चारों फल पावै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सत्य शपथ गौरिपति कीन्हीं,
तुमने भक्तिहिं सब सिद्धि दीन्हीं।

सुनहु राम तुम तात हमारे,
तुहिं भरत कुल पूज्य प्रचारे।

तुमहिं देव कुल देव हमारे,
तुम गुरुदेव प्राण के प्यारे।

जो कुछ हो सो तुम ही राजा,
जय जय जय प्रभु राखो लाजा।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

राम आत्मा पोषण हारे,
जय जय जय दशरथ दुलारे।

ज्ञान हृदय दो ज्ञान स्वरूपा,
नमो नमो जय जगपति भूपा।

धन्य धन्य तुम धन्य प्रतापा,
नाम तुम्हार हरत संतापा।

सत्य शुद्ध देवन मुख गाया,
बजी दुन्दुभी शंख बजाया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सत्य सत्य तुम सत्य सनातन,
तुम ही हो हमारे तन मन धन।

याको पाठ करे जो कोई,
ज्ञान प्रकट ताके उर होई।

आवागमन मिटै तिहि केरा,
सत्य वचन माने शिव मेरा।

और आस मन में जो होई,
मनवांछित फल पावे सोई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तीनहूं काल ध्यान जो ल्या,
तुलसी दल अरु फूल चढ़ावें।

साग पत्र सो भोग लगावै,
सो नर सकल सिद्धता पावै।

अन्त समय रघुवर पुर जाई,
जहां जन्म हरि भक्त कहाई।

श्री हरिदास कहै अरु गावै,
सो बैकुण्ठ धाम को जावै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

॥ दोहा ॥

सात दिवस जो नेम कर,

पाठ करे चित लाय।

हरिदास हरि कृपा से,

अवसि भक्ति को पाय॥

राम चालीसा जो पढ़े,

राम चरण चित लाय।

जो इच्छा मन में करै,

सकल सिद्ध हो जाय॥

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीसा